# DSSSB PRT, TGT & PGT

Part(A+B)

SCHOLAR BATCH

# हिन्दी

## उपसर्ग – प्रत्यय

Part -2

LIVE 29-04-2024 09:00 AM

# उर्दू के उपसर्ग - (अरबी - फारसी)

* कम = कमअक़्ल, कमबख़्त, कमज़ोर
* खुश = खुशदिल, खुशनसीब, खुशहाल, खुशबू, खुशखबरी
* गैर = गैरकानूनी, गैरमुल्क, गैरज़िम्मेदार, गैरहाज़िर
* ना = नामुमकिन, नामुराद, नापसंद, नापाक, नाराज़, नालायक
* ब = बदौलत, बगैर, बजूद, बदस्तूर
* बा = बाकायदा, बाअदब, बाइज्ज़त
* बद = बदनाम, बदकिस्मत, बदमाश
* बे = बेचारा, बेवकूफ़, बेईमान

बिला = बिलाशक, बिलावजह

ला = लाचार, लावारिस, लाजवाब, लापरवाह

सर = सरताज, सरपंच, सरकार, सरदार

हम = हमसफर, हमदम, हमजोली, हमदर्दी

हर = हरदिन, हरसाल, हरबार

अल = अलबत्ता, अलबेला, अलविदा

फिल = फिलहाल

दर = दरअसल, दरख़्वीकत

ऐन = ऐनवक्त, ऐनहिकमत

अंग्रेजी के उपसर्ग :-

सब (अधीन) = सब-जज, सब-इंस्पेक्टर, सब-कमेटी

डिप्टी (सहायक) = डिप्टी-कलेक्टर, डिप्टी-रजिस्ट्रार, डिप्टी-मिनिस्टर

वाइस (सहायक) = वाइसराय, वाइस-प्रेसीडेंट, वाइस-चांसलर

जनरल (प्रधान) = जनरल-मैनेजर, जनरल-सेक्रेटरी

चीफ़ (प्रमुख) = चीफ-मिनिस्टर, चीफ-इंजीनियर

हैड (मुख्य) = हैड-मास्टर, हैड-क्लर्क

# प्रत्यय

प्रत्यय का अर्थ साथ में पर बाद में अर्थात पीछे चलना

शब्द के अन्त में = प्रत्यय

जो शब्दांश शब्दों के अन्त में जुड़कर उनके अर्थ में विशेषता या परिवर्तन ला देते है। वे प्रत्यय कहलाते है।

प्रत्ययों का अपना कुछ भी अर्थ नही होता तथा इनका प्रयोग स्वतन्त्र रूप से किया जाता है।

प्रत्यय दो प्रकार के होते है-

कृदंत प्रत्यय

तद्धित प्रत्यय

① कृदंत प्रत्यय = जो प्रत्यय धातु या क्रियापद के अन्त में जुड़कर शब्द में विशेषता लाते हैं उन्हें कृदंत प्रत्यय कहते हैं।

अक = गायक, कारक, लेखक

अन = सहन, नयन, पालन

अना = घटना, तुलना, बरसना, चलना

अनीय = दर्शनीय, माननीय, पूजनीय, रमणीय

आ = सूखा, जागा, पूजा, शिक्षा

आई = सिलाई, पढ़ाई, चढ़ाई, लिखाई

इया = बढ़िया, घटिया, अड़िया, ढलिया

इत = पठित, व्यथित, कथित

इत = पवित्र, खनित्र, चरित्र

इयल = अड़ियल, सड़ियल, मरियल

ई = हँसी, दुःखी, सुखी, बोली

वैया = गवैया, खवैया

ऐया = रखैया, बचैया

वाला = आनेवाला, पढ़नेवाला, गानेवाला, देनेवाला, लेनेवाला

हार = होनहार, रखनहार, पालनहार

# तद्धित प्रत्यय

वे प्रत्यय जो धातु को छोड़कर अन्य शब्दों संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण के अन्त में जुड़कर शब्द में परिवर्तन करते है उन्हें तद्धित प्रत्यय कहते हैं।

आइन = पण्डिताइन ठकुराइन
आई = पण्डिताई, चौड़ाई, लम्बाई, चतुराई
आनी = नौकरानी, सेठानी, जिठानी, देवरानी
आयत = बहुतायत, पंचायत, अपनायत
आर = सुनार, गँवार, लोहार
आहट = चिकनाहट, घबराहट, कड़वाहट
इल = कुटिल, पंकिल, धूमिल

इष्ठ = कनिष्ठ, बलिष्ठ, गरिष्ठ, वरिष्ठ

ई = सुन्दरी, पक्षी, खेती, ढोलकी

ईन = कुलीन, ग्रामीण

ईय = भारतीय, भवदीय, राष्ट्रीय

एरा = सँपेरा, ममेरा, बसेरा, लुटेरा

हरा = सुनहरा, दुहरा

हारा = पनिहारा, लकड़हारा